केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ५ मार्च, २०१७ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (४७)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
	विभाग-२, कुल गुण (३८)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
	विभाग-३, कुल गुण	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है।) (कुल गुण : ६)

१. भगवान का केवल एक ही प्रकट स्वरूप होता है।
२. भगवान में मनुष्यभाव देखने से हानियाँ
३. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता : परब्रह्म को तत्त्व सहित जानने के लिए

( ) ....

गुण : ३

( ) ....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – १ गुण – ६		नाम	प्र – २ गुण – ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए। (कुल गुण : ५)

१. ''आपने मेरे स्वरूप की पहचान किस प्रकार दी?'' गुण : १

....

२. ''ये गुणातीतानंद स्वामी स्वयं श्रीजीमहाराज के अक्षरधाम हैं।'' गुण : १

....

३. ''जेवा ए संत कहीए शिरोमणि, एवा हरि सौ शिरमोड।'' गुण : १

....

४. ''अक्षर ऐसा है, तथा उस अक्षर के संबंध में ऐसा सुख है।'' गुण : १

....

५. ''वांची कागळ कोई कंथनो, जेम नार अपार राजी थई।'' गुण : १

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. भगवान निराकार है इस विचार का उद्‌भव कैसे हुआ? गुण : २

(१) ☐ श्रीमद्‌भागवत पुराण : २-१-९

(२) ☐ श्रीमद्‌भगवद्‌ गीता : २-१-९

(३) ☐ वच. ग. म. ११

(४) ☐ वच. लोया १५

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ४		नाम	प्र - ४ गुण - ४		नाम

२. उपासना का महत्त्व

गुण : २

(१) धर्म के बिना आत्मा तथा ब्रह्म को देखा नहीं जा सकता।

(२) धर्म दृढ़ हो तो जीव लड़खड़ाता नहीं।

(३) मृत्यु समय पर उपासना रूपी जहाज की आवश्यकता रहती है।

(४) महाप्रलय जैसे दु:ख में वे सुखी रहते हैं।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। (कुल गुण : ४)

१. श्रीजीमहाराज को भारी बोज लगा और पसीना हुआ।

२. स्वरूपानंद स्वामी ने जीवों को नरक यातना से मुक्त किया।

३. केशवजीवनदास आश्वस्त हो गए कि स्वामी मूर्तिमान अक्षर हैं।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिद्धांत : ....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ किन्हीं <u>दो</u> विषयों के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता : ब्रह्मरूप होने के लिए

२. श्रीजीमहाराज सर्वकर्ता-हर्ता हैं।

३. गुणातीत संत की महिमा : परमहंसों के पदों में

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

( ) ....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं <u>दो</u> के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. गोलोक-वैकुंठ धाम से अक्षरधाम सर्वोपरि है।

२. जो मूर्तिमान हो वे व्यापक भी हो सकते हैं।

३. प्रकट भगवान के बिना जो भक्ति की जाती है उसमें अहंता-ममता होती है।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ६ गुण – ८		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ४ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ उपसंहार के आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. अक्षरब्रह्म एक ही ....

....

....

....

.... में रहता है। | गुण : १ | |

२. धाम में जो परब्रह्म का ....

....

....

....

....

.... ये श्रीजीमहाराज हैं। | गुण : १ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७		नाम

३. पुरुषोत्तम नारायण की .....

.....

..... अद्वितीय है। गुण : १

४. श्रीजीमहाराज पूर्ण पुरुषोत्तम .....

.....

.....

.....

..... और दिव्य है। गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. सद्गुरु गुणातीतानंद स्वामी .....

.....

..... नहीं समझना चाहिए। गुण : १

६. जब भगवान पृथ्वी .....

.....

..... नहीं समझना चाहिए। गुण : १

७. अकेले अक्षरब्रह्म ही हैं .....

.....

..... नहीं समझना चाहिए। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए । साकार स्वरूप में रुचि **(वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''उन्होंने उसको अवश्य कुछ जादू-टोना किया लगता है।''

कौन कहता है? .... किसको कहता है? ....

कब कहता है? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

२. ''जिनकी हैं, अभी अभी आकर ले जाएँगे!''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''ये बातें सुनकर मेरे मन को और भी पीड़ा होती है... क्या करुँ ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. महाराज ने धरमपुर का राज्य लेने से मना कर दिया। **अथवा**

२. अनुपमानंद स्वामी मुक्तानंद स्वामी के लिए रसोई बनाने लगे।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. आस्टन शहर के मेयर श्री विल्किन्सन गुस्से में आ गये। **अथवा**

४. सौराष्ट्र संभाग विचरण में जुड़ा हुआ विद्यार्थी गाने लगा : ''त्वमेव माता च पिता त्वमेव।''

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. निष्कुलानंद स्वामी की आत्मनिष्ठा **अथवा**

२. गोपालानंद स्वामी के कार्य एवं व्यक्तित्त्व को उचित श्रद्धांजलि

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ४ | |

३. अंधकार से उजालों के प्रदेश में प्रवेश करनेवाला मंगल **अथवा**

४. गणेश ने अनुभव किया हुआ स्वत: प्रस्फुटित ब्रह्म का आनंद

( ) ....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम	प्र - १२ गुण - ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ४	

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. कुशलकुंवरबा का अधिक समय कैसे व्यतीत होने लगा था? गुण : १

....

....

२. सुरत में गोपालानंद स्वामी ने किसको समाधि में भेज दिया? गुण : १

....

....

३. महाराज अधिक कठिन आदेश देनेवाले हैं यह पत्र पढ़ कर मुक्तानंद स्वामी ने क्या किया? गुण : १

....

....

४. स्वामीश्री का ५१वां जन्मदिन कहाँ और कौन सी साल में आयोजित किया गया था? गुण : १

....

....

५. स्वामीश्री ने रतनसिंह को आशीर्वाद देते हुए क्या कहा? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. रघुवीरजी महाराज का जन्म — गुण : २

(१) ☐ संवत् १९६८ (२) ☐ संवत् १८६८

(३) ☐ फाल्गुन वदी चतुर्थी (४) ☐ कार्तिक शुक्ला चतुर्थी

२. मुक्तानन्द स्वामी ने वर्णी के प्रश्नों का दिया हुआ उत्तर — गुण : २

(१) ☐ पाँच ईन्द्रियों के रूप के विषयक प्रश्न।

(२) ☐ पाँच तत्त्व विषयक प्रश्न।

(३) ☐ पाँच विषय के रूप के विषयक प्रश्न।

(४) ☐ पाँच कल्याण के रूप के विषयक प्रश्न।

३. हेत तो करे छे केवुं अनंत जननी जेवुं — गुण : २

(१) ☐ चित्रकला में आगे बढ़ो। (२) ☐ माता की जिद्।

(३) ☐ नि:स्वार्थ प्रेम। (४) ☐ इन्जीनियर बनने की इच्छा।

४. प्रमुखस्वामी का समर्पित भाव — गुण : २

(१) ☐ इष्टदेव से अलग नहीं होते।

(२) ☐ सेवक का दिया हुआ पानी स्वामीश्री ने पी लिया।

(३) ☐ हमेशा ठाकोरजी की मर्यादा रखनी चाहिए।

(४) ☐ पानी लाओ और मैं झाडू लगाऊँगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १५)

१. छात्रालय की पवित्र भूमि में से परिवर्तन का पवन

२. हम तो एक सहजानंद चरण के उपासी : शास्त्रीजी महाराज की एक ही रटना

३. दिव्य, पारलौकिक और ऐतिहासिक अंतिम पल.....

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – १४ गुण – १५		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें